

लखनऊ को एआइ और डीप टेक का केंद्र बनाएंगे, 50 स्टार्टअप करेंगे स्थापित : योगी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ को एआइ, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, कंप्यूटिंग और डीपटेक टेक्नोलाजी का केंद्र बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। मंगलवार को एचसीएल टेक लखनऊ के 10वें स्थापना दिवस पर उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में लखनऊ को भारत की अग्रणी एआइ इनोवेशन सिटी के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए कम से कम 50 विश्वस्तरीय एआइ स्टार्टअप स्थापित कर उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने वाला इनोवेशन इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा। योगी ने एचसीएल को इसमें साथ आने का प्रस्ताव दिया।

मुख्यमंत्री ने एचसीएल आइटी सिटी लखनऊ के फेज-2 की आधारशिला रखी और परियोजना माडल का उद्घाटन किया। करीब 500 करोड़ रुपये के निवेश वाले दूसरे चरण में लगभग छह हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने इमर्जिंग टेक स्किलिंग सेंटर का भी शुभारंभ किया। इसके जरिये छात्रों, शिक्षकों, बकिंग प्रोफेशनल्स और सरकारी अधिकारियों को उभरती तकनीक में प्रशिक्षित किया जाएगा। 100 एकड़ के एचसीएल

- एचसीएल टेक लखनऊ के 10वें स्थापना दिवस पर सीएम ने आइटी सिटी फेज-2 की रखी आधारशिला
- 500 करोड़ रुपये का दूसरे चरण में होगा निवेश, इसमें छह हजार लोगों को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद



सीजी सिटी में आयोजित समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ का स्वागत करती एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नागर मल्होत्रा ● सूचना विभाग

टेक लखनऊ परिसर में 12,520 से अधिक टेक कर्मचारी कार्यरत हैं और छह हजार से अधिक फ्रेशर्स को नौकरी का अवसर मिला है। टेकबी कार्यक्रम से 2200 से अधिक युवाओं को इंटरस्ट्री रेडी स्किल और टेक्नोलाजी करियर से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले आइटी और आइटीईएस के माध्यम से 12 से 15 हजार करोड़ रुपये का निर्यात होता था, जो अब एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है। अगले चार वर्ष में इसे 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी 3800 करोड़ से बढ़कर

45 हजार करोड़ हो गया है और 2030 तक इसे दो लाख करोड़ तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भारत की मोबाइल मैनुफैक्चरिंग में प्रदेश की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट में प्रदेश का योगदान 60 प्रतिशत है।

लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ और आगरा में आइटी पार्क चल रहे हैं। सात साफ्टवेयर टेक्नोलाजी पार्क कार्यरत हैं, जबकि वाराणसी, बरेली, कानपुर और गोरखपुर में नए आइटी पार्क बन रहे हैं। नोएडा और लखनऊ को यू-हब यानी डीप टेक हब के रूप में विकसित करने का भी निर्णय लिया गया है।

संबंधित खबर » पेज 4